This question paper contains **8+4** printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

2686

B.A. (Programme)/II/III **D-I**

HINDI LANGUAGE (C)—Paper II

हिंदी भाषा (ग)— प्रश्नपत्र II

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं । किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10,10

(क) यूँ तो बाहर समुद्र है, नदी है, झरना है,

ार पानी के लिए भटकना है,

ाहाँ कटोरी में भरा जल गटकना है

ाहर दाने का टोटा है

P.T.O.

यहाँ चुग्गा मोटा है ।

बाहर बहेलिये का डर है

यहाँ निर्द्वंद कंठ-स्वर है

फिर भी चिड़िया

मुक्ति का गाना गाएगी

मारे जाने की आशंका से भरे होने पर भी

पिंजड़े से जितना अंग निकल सकेगा निकालेगी,

हरसूँ जोर लगाएगी

और पिंजड़ा टूट जाने या खुल जाने पर उड़ जाएगी ।

(*i*) उपर्युक्त पंक्तियों के कवि और कविता का नाम लिखिए ।

(*ii*) 'पानी', 'दाना' और 'चुग्गा' से कवि किस ओर इशारा कर रहा है ?

(*iii*) 'मुक्ति का गाना' से कवि का क्या अभिप्राय है ?

(*iv*) चिड़िया को बाहर और भीतर क्या फर्क नज़र आता है ?

(ख) धर्म से महात्मा जी का मतलब धर्म के ऊँचे और उदार तत्त्वों ही का हुआ करता है । उनके मानने में किसे एतराज हो सकता है । अजाँ देने, शंख बजाने, नाक दाबने और नमाज़ पढ़ने का नाम धर्म नहीं है । शुद्धाचरण और सदाचार ही धर्म के स्पष्ट चिह्न हैं । दो घंटे तक बैठकर पूजा कीजिए और पंचवक्ता नमाज़ भी अदा कीजिए, परन्तु ईश्वर को इस प्रकार की रिश्वत के दे चुकने के पश्चात् यदि आप अपने को दिनभर बेईमानी करने और दूसरों को तकलीफ

पहुँचाने के लिए आजाद समझते हैं, तो इस धर्म को, अब आगे आने वाला समय कदापि नहीं टिकने देगा । अब तो आपका पूजा-पाठ न देखा जाएगा, आपकी भलमनसाहत की कसौटी केवल आपका आचरण होगा ।

(*i*) लेखक का ऊँचे और उदार तत्त्वों से क्या तात्पर्य है ?

(*ii*) लेखक ने धर्म के स्पष्ट चिह्न कौनसे बताए हैं ?

(*iii*) आने वाला कल धर्म के कौन-से रूप को नहीं टिकने देगा ?

(*iv*) 'ईश्वर को रिश्वत देने' से लेखक क्या संकेत कर रहा है ?

(ग) ''सचिन तेंदुलकर एक आधुनिक महानायक की तरह कठोर यथार्थवादी पारी खेले । उनकी पारी में जैसे एक अपरिहार्यता थी । मेरे लिए तो यह पारी उनके बाकी के जीवन को परिभाषित करती है । विश्व भर के गोलंदाज़ों को खबरदार कर दिया गया है कि महायोद्धा अपनी सीमाओं में खेलने को तैयार है । अब तक वे आज की अतिरेकता में अपने ही उतावलेपन के शिकार होते थे । अब वे धीरज से अपने आक्रमण को परिष्कृत करके तभी मारने का निश्चय कर चुके हैं जब आऊट होने की संभावना समाप्त हो गई हो । वे नए शिखरों पर झंडा गाड़ने को निकल पड़े हैं ।''

(*i*) ये पंक्तियाँ किस विश्वविख्यात क्रिकेटर द्वारा कही गई हैं और उस समय वे 'सचिन' की कौनसी पारी से प्रभावित थे ?

(*ii*) सचिन के व्यक्तित्व के कौन-से पक्ष को इन पंक्तियों में महत्व दिया गया है ?

(*iii*) 'नए शिखरों पर झंडा गाड़ने' से क्या आशय है ?

(*iv*) यहाँ सचिन के खेल में आए किस परिवर्तन की ओर संकेत किया गया है ?

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15

(*i*) 'मन्त्री जी, इतनी जल्दी क्या आजादी का पिटा 'दिवाला'— इस उद्धरण में मास्टर जी क्या कहना चाहते हैं ?

(मास्टर)

(*ii*) बिसुनपुर में होने वाले झगड़े का कारण क्या था ?

(बलदेव सिंह)

(*iii*) "बाजार का नियंत्रण आज विज्ञापनों के हाथ में है ।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

(विज्ञापन युग)

(*iv*) 'घंटी' कहानी के शीर्षक पर विचार कीजिए ।

(घंटी)

(*v*) पोलैंड की स्त्रियों के सम्बन्ध में लेखक की क्या धारणा थी ?

(वारसा की डायरी)

3. (क) बोली और भाषा में अंतर स्पष्ट कीजिए । 5

(ख) सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति स्पष्ट कीजिए । 5

(ग) राजभाषा के रूप में हिंदी की संवैधानिक स्थिति स्पष्ट कीजिए । 5

अथवा

इन शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए :

स्थिती, द्विभाषीक, प्राशासनिक, स्वीकृती, उन्नती ।

4. निम्नलिखित अपठित अनुच्छेद के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

किसी राष्ट्र के इतिहास में गर्व की वस्तु राजाओं की वंश परम्परा नहीं और न उनके विजय-अभियान ही हैं, बल्कि वह जनता है, जिसने सदियों से अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष किया है । यदि हमारे देश के इतिहासकारों की दृष्टि राजवंशों और वाईसरायों की परम्परा में ही न उलझी रहती और वह उनके ऊपर उठ सकती, तो उन्हें हमारी जनता के साहस और शौर्य क सम्बन्ध म प्रचुर सामग्री मिल सकती और आज़ादी तथा तरक्की के लिए मानवता के संघर्षों के इतिहास में उसे उचित

स्थान दिया जा सकता । मिसाल के तौर पर, हम अपने युग के निकट की घटनाओं, अपने देश के अलग-अलग हिस्सों के किसान-विद्रोहों को ले सकते हैं । उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में जब नए बुद्धिजीवी वर्ग का अधिकांश भाग विदेशियों की नकल और खुशामद कर रहा था और उत्पीड़कों की 'सिविल' सर्विस में सौ दो सौ नौकरियों के लिए आन्दोलन कर रहा था, तब हिन्दुस्तान के किसान, विदेशी शासकों और उनके देशी मददगार, सूदखोरों और जमादारों के गढ़ पर धावा बोल रहे थे और उनकी जमा हुई ताकत को हिला रहे थे ।

(*i*) लेखक ने राष्ट्र के इतिहास में 'गर्व' के रूप में किसे अभिव्यक्ति दी है और क्यों ? 3

(*ii*) अनुच्छेद को उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 2

(*iii*) इस गद्यांश का एक-तिहाई शब्दों में सारांश लिखिए । 3

5. टी॰वी॰ विक्रेता की ओर से खरीददार को बकाया राशि के शीघ्र भुगतान के लिए पत्र लिखिए । 6

अथवा

अपने क्षेत्र की सड़कों के सुधार हेतु निगम-पार्षद को पत्र लिखिए ।

6. (क) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं **चार** का वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 6

छाती पर साँप लोटना, चेहरा उतरना, सिर से पानी गुजर जाना, चादर से बाहर पाँव पसारना, एड़ी-चोटी का जोर लगाना, गले का हार ।

(ख) किन्हीं **चार** वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 6

(*i*) यह बात उसको पूछो ।

(*ii*) प्रधानमंत्री ने अपनी अर्थनीति स्पष्ट कर दिया था ।

(*iii*) मोची जूते को बनाता है ।

(*iv*) हमारे से काम नहीं होता ।

(*v*) कोई आदमी को बुला लो ।

(*vi*) गाँव के कुछ दूर ही उसका मकान है ।

7. (क) किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 10

(*i*) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला ।

(*ii*) साहित्य और समाज ।

(*iii*) भारत में बढ़ती महँगाई ।

(ख) महाविद्यालय में हुए रक्तदान शिविर पर एक रिपोर्ट लिखिए । 5

8. (क) कोश की परिभाषा देते हुए द्विभाषी शब्दकोश की विशेषताएँ बताइए । 5

(ख) निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 4

अधिकारी, आकाश, अनिष्ट, सादर, शक्ति, कथा, तथ्य, चपल ।